RDVV UNIVERSITY-2015
SAHITYA VARG-AGYEY-2015

नोट- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के समक्ष अंक दर्शाये गये हैं।

1. **निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-**

(क) प्राप्त होते
सबल पंखों की अकेली एक मोटी चोट से
अनुगता मुझको बनाकर बावली को जानकार मैं अनुगता हूँ-
उस विदा के विरह के विच्छेद के तीखे निमिष में भी युता हूँ-
उड़ गया वह बावला
पंक्षी सुनहला
कर प्रहर्षित देह की रोमावली को: प्राप्त होते।

(अथवा) सो रहा है झोंप अंधियाला
नदी की जांच पर:
डाह से सिहरी हुई यह चाँदनी
चोट पैरों से उलझकर
झाँक जाती है।
प्रस्फुटन के दो क्षणों का मोल
शेफाली
विजय की धूल पर चुपचाप
अपने मुग्ध प्राणों से सजाने आँक जाती है।

(ख) निर्विकार मरू तक को सींचा है,
तो क्या! नदी नाले ताल कुएँ से पानी उलीचा है
तो क्या! उड़ा हूँ, दौड़ा हूँ, तैरा हूँ, पारंगत हूँ
इसी अहंकार के मारे
अंधकार में सागर के किनारे
ठिठक गया: नत हूँ
उस विशाल में मुझसे
बहा नहीं गया।
इसलिए जो और रहा, वह
कहा नहीं गया।

(अथवा) ओ विशाल तरु
शत सहस्र पल्लवन-पतझरों ने जिसका नित रूप संवारा,
कितनी बरसातों, कितने खद्योतों ने आरती उतारी
दिन भौंरे कर गये गुंजरित
रात में झिल्ली ने
अनथक मंगल गान सुनाये,
साँझ सवेरे अनगिन
अनचीन्हे खग कुल की भोरभरी क्रीड़ा-काकलि
डाली-डाली को कंपा गई.....

rdvvonline.com

(ग) देश के जन-जन का
यह स्नेह और विश्वास
जो हमें बताता है
कि हम भारत के लाल हैं
वहीं हमें यह भी याद दिलाता है
कि हमीं इस पुण्य भू के
क्षिति सीमांत के धीर, दृढ़व्रती दिक्पाल हैं।

(अथवा) कितनी दूरियों से कितनी बार कितनी डगमग नावों में बैठकर।
मैं तुम्हारी ओर आया हूँ, ओ मेरी छोटी से ज्योति।
कभी कुहासे में तुम्हे न देखता भी।
पर कुहासे की ही छोटी सी रूपहरी झलमल में।
पहचानता हुआ तुम्हारा ही प्रभामंडल।

2. ''अज्ञेय जी प्रयोगवादी काव्यधारा के प्रणेता हैं। उनका संपूर्ण काव्य प्रयोगवाद की विशेषताओं से ओतप्रोत है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(अथवा) अज्ञेय के काव्य सौन्दर्य को सोदाहरण समझइये।

3. ''अज्ञेय जी काव्य के क्षेत्र में पाश्चात्य प्रभाव से अछूते नहीं रहे।'' इस कथन की विवेचना कीजिए।

(अथवा) अज्ञेय जी ने हिन्दी साहित्य में 'एक नवीन द्वार' खोला है। इस दृष्टि से हिन्दी साहित्य में उनका स्थान निर्धारित कीजिए।

4. **निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**
(1) अज्ञेय काव्य में क्रांति का स्वर।
(2) कलगी बाजरे की कविता में भावबोध।
(3) अज्ञेय की प्रेम कविता
(4) उड़चल हारिल कविता में कवि का जीवन दर्शन
(5) अज्ञेय के काव्य में प्रकृति।
(6) नदी के दीप कविता का प्रतिपाद्य।
(7) अज्ञेय की छंद योजना (8) द्वितीय तारसप्तक का सन् और कवि के नाम।

rdvvonline.com

5. **निम्नलिखित प्रश्नों में किन्हीं बीस का सटीक उत्तर दीजिए।**
(1) अज्ञेय का पूरा नाम क्या है?
(2) अज्ञेय किस तार सप्तक के कवि थे?
(3) तीसरा तार सप्तक किस वर्ष प्रकाशित हुआ?
(4) अज्ञेय पर किस पाश्चात्य साहित्यकार का प्रभाव पड़ा?
(5) अज्ञेय का जन्म किस सन् में हुआ?
(6) ''हरी धाम पर क्षण भर'' काव्य संग्रह का प्रकाशन वर्ष क्या है?
(7) ''राहो के इन्वेषी'' किस तार सप्तक के कवियों को कहा जाता है?
(8) अज्ञेय का जन्म स्थान बताइये।
(9) अज्ञेय द्वारा संपादित किसी एक पत्रिका का नाम बताइये।
(10) अज्ञेय को भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार कब मिला?
(11) ''हरी धाम पर क्षण भर'' काव्य संकलन की दो कविताओं के नाम लिखिए।
(12) ''मैं तो डूब गया था शून्य में'' किस कविता की पंक्ति है?
(13) अज्ञेय को अज्ञेय नाम किसने दिया? (14) प्रयोगवाद का प्रारम्भ वर्ष क्या है?
(15) इत्यलम् का प्रकाशन वर्ष क्या है? (16) मध्य प्रदेश के किस साहित्यकार को

दूसरे सप्तक में स्थान मिला? (17) नदी के दीप कविता की दो पंक्ति लिखिए। (18) "आँगन के पार द्वार" कविता के संग्रह को किस साहित्यिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया? (19) प्रयोगवाद का जनक किसे कहा जाता है? (20) असाध्य वीणा के वीणा निर्माता का नाम बताइये। (21) सागर मुद्रा का प्रकाशन वर्ष क्या है? (22) अज्ञेय का जन्म कहाँ हुआ? (23) मध्यप्रदेश से प्रकाशित होने वाली हिन्दी की एक पत्रिका का नाम बताइये। (24) अज्ञेय के अंतिम जीवन काल में उनके साथ कौन रहीं?

rdvvonline.com